



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	१०.७.२२	२	१-४

### उपलब्धि • हरियाणा का नाम रोशन करने वाली छात्रा को वीसी ने किया सम्मानित निशा बनीं पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नगर विभागन महानीदेशराजलय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआर. काठोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उमेर बाई और शुभकामनाएँ दीं।

कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके दस्तेमाल से



निशा को मिलने लगे हैं नौकरी के ऑफर कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोभारा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए है। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एपी-ड्रोन से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

ड्रोन पर करेगी पीएचडी रिसर्च फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया गांवी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अलू ढीमडा, मीडिया एवं वाईडायर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नौदंद्र को हरियाणा का प्रथम खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र मिला सिटी रिपोर्टर • खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग हरियाणा द्वारा एडवेंचर स्पोर्ट्स पॉलिसी के अंतर्गत मींगनों खेड़ा नियासी नौदंद्र कुमार को एडवेंचर यास्त्री की गतिविधि में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल किए जाने पर हरियाणा प्रदेश का प्रथम खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र जारी किया गया।

प्रमाण पत्र नौदंद्र कुमार द्वारा मार्च 2022 को स्वामित्व करने पर प्रदान किया गया। यह प्रमाण पत्र हिसार मंडल हिसार के उपनिदेशक सत्येन्द्र मलिक एवं जिला खेल अधिकारी कुमारी संतोष धीमान के बर कमलों द्वारा उनके कार्यालय में प्रदान किया गया। इस अवसर पर ग्रेडेशन कमेटी मेंबर दलशीर सिंह, हरमेश चंद्र योग, रेखा, निखिल, जगबीर, रचना, समेश सिंह, सुभास चंद्र मौजूद रहे।

रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि से भीषण संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा मैं छिड़काव किया जा सकता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरूका	१०.७.२२	१	२५

### निशा बनीं हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

जगरण संवाददाता, हिसार:

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नायर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन आपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। कुलपति प्रो. वीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएँ दी। इससे ब्रह्म, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है, क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और



कुलपति प्रो. वीआर काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण। • वीआरओ

ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

कार्य मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डा. विजया राणी ने बताया कि निशा एमटेक की छात्रा है। वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा वयोंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व धीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. बलदेव ढोगरा ने बताया कि इस सफल की सुगमता से निगरानी भी



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभृत’ जाता	१. ७. २२	३	१-३

### एचएयू की छात्रा निशा बनीं प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि अधियाचिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. कांडोज ने निशा की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का काम में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर घोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे त्राम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न धातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है। क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मत्तु से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन

वीसी बोले- कृषि में ड्रोन का महत्व, फसलों पर घोषक तत्वों कीटनाशकों के साथ बीजों के छिड़काव में ड्रोन का हो रहा प्रयोग



ड्रोन पायलट निशा सोलंकी।

से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि, ने छिड़काव किया जा सकता है।

कृषि अधियाचिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को आयोटेक, एयी-

वडान से नौकरी के ओफर मिल रहे हैं। फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ.

विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एमटेक की छात्रा है। वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। व्हरे-



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाबी लंगरी	१०.७.२२	७	१-२

### छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

■ अब उसना चाहती है ड्रोन पर पीएच.डी. रिसर्च

हिसार, ८ जुलाई (ब्यूरो): छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने नगर विमानन महानिदेशालय से मात्रता प्राप्त ड्रोन ऑप्रेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। फिलहाल वह चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पौधार इंजीनियरिंग विभाग में एम.टेक. की छात्रा है।

उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएच.डी. की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इसके लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भी नहीं रहना पड़ेगा, क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन



कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण। उड़ाने में सक्षम है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि को सराहते हुए कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फार्मलैं पर प्रौद्यक तर्बी, कोटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बाजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा हुनर से ५-१० मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काय किया जा सकता है।

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी

महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बलदेव ढांगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट को मेरों को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्हे काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एपी-उडान से नोकरी के ओफर मिल रहे हैं। इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अमूल ढांगरा, फार्म मशीनरी एवं पायर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्ज्ञात समाचार	१०.७.२२	५	१-३

### निशा सोलंकी बनी ग्रादेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

लिखा, ४ जुलाई (बिरेद  
वर्ष) : चौधरी चरण सिंह  
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय  
के कृषि अधियांत्रिक एवं  
प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के  
फार्म मशीनरी एवं पावर  
इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा  
निशा सोलंकी हरियाणा को कुलपति  
पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट व अन्य अधिकारीग  
बनी है। उन्होंने नाम विभाग  
महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन  
फलांग का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण  
पूरा किया है। विभवितालय के कुलपति  
प्रो. चौ.आर. काम्बोज ने निशा को इस  
उपलब्धि पर उन्हें बधाई और<sup>1</sup>  
सुधारकामनाएँ दी। कुलपति ने कहा कि  
ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने  
विभाग कि फलांग पर योग्यक तर्जों  
कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ  
यीजों के डिफ़्कार के लिए ड्रोन का  
उपयोग किया जा सकता है। इससे ग्रम,  
समय, धन को बचत को जा सकती है  
और किसानों को भी विभिन्न घाटक



ड्रोन ने बताया कि इस  
प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स  
को करने के उपरांत निशा  
को काफी फायदे हुए हैं।  
उन्होंने बताया उन्हें काफी  
कंपनियों जैसे अपोटेक,  
एसी-ड्रोन से नौकरी के  
ऑफर मिल रहे हैं।

इन पर करना  
चाहती है पीएचडी

#### रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग  
विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने  
बताया कि निशा सोलंकी कर्मचार में  
एम.टी.कॉ. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि  
वह परियां में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन  
पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने  
के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर  
नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं  
ड्रोन उड़ाने में स्वभव है। इस अक्सर पर  
ओएसडी डॉ. अमृत दीमेंद्र, मीडिया  
एवं व्यापार डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य  
अधिकारी उपस्थित थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दोनों दिनों	१०.७.२२	२	८

### प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी निशा सोलंकी

हिस्टर, ४ जुलाई निशा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हक्की) कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिक महाविद्यालय के फलांग मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की एमटेक की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर ऑफिटर का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। कुलपति प्रो. शीआर काम्बोज ने निशा को बधाई दी और कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। फसलों पर पोषक तत्वों, कॉटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ दोनों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	09.07.2022	-----	-----

### चौ.च.सिं. हक्कि की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर

उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएँ दीं। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक

उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कोट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हे काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।



इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमान महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस

उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठ्यक्रम पत्र	08.07.2022	-----	-----

### एचएयू की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ निशा सोलंकी व अन्य अधिकारीगण।

#### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य

#### ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फर्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्री है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

रसायनों के साथ बीजों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे त्रप, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक

#### मिलने लगे हैं नौकरी के आँफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अध्यक्षता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियाँ जैसे आयोटेक, एग्री-उड़ान से नौकरी के आँफर मिल रहे हैं।

कृषि रसायनों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की मुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
फ़रवरी २०२२	०८.०७.२०२२	-----	-----

# ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व : वीसी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

### चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्योज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाई दी।

कुलपति ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक तत्वों, कीटनाशकों व अन्य रसायनों के साथ बीजों के छिड़ टेब के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे श्रम, समय, धन की बचत की जा सकती है और किसानों को भी विभिन्न घातक कृषि रसायनों



से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है क्योंकि इसके इस्तेमाल से रसायनों और कीटनाशकों का मनुष्य से सीधा संपर्क नहीं होता। उन्होंने कहा ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि में छिड़ टेब किया जा सकता है। इसकी सहायता से फसल की सुगमता से निगरानी भी की जा सकती है जिससे कीट प्रकोप व बीमारी का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उसका उपचार किया जा सकता है।

### मिलने लगे हैं नौकरी के ऑफर

कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन पायलट कोसे को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे

हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हे काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एमी-डझन से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं।

### ड्रोन पर करना चाहती है पीएचडी रिसर्च

फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी वर्तमान में एम.टैक. की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढांगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त दृष्टिभाग	08.07.2022	-----	-----

### चौ.च.सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अधिकारीय एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म बहिनी द्वारा पायर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी है। उन्होंने ज्ञान विद्यालय महानिदेशालय में वायना प्राइंस्प्रोफेसर व वायनाकार्पोरेटर का मानकान्त्रिक प्रीवाइट प्रूफ किया है। विश्वविद्यालय के कृषि विभाग द्वारा जी.आर.जी.एस.जी. विभाग को इस उपलब्धि पर उत्सुकी और खुशी नहीं हैं। कृषि विभाग ने कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि फसलों पर पोषक उत्तरी, फोटोग्राफी व अन्य रसायनों के सम्बोधनों के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इससे ज्ञान, विद्या, ज्ञान की विद्या की ज्ञान सकती है और विद्यार्थी को भी विभिन्न प्राकृति



विद्यालयों का अनुच्छेद से सीधा संबंध नहीं होता। अधिकारी द्वारा, प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निशा को इस अध्यक्ष द्वारा विद्यार्थी निशा को उपरांत वर्तमान में एप्टीक, की जाती है। वह भविष्य में उन्होंने कठोर ड्रोन से 5-10 मिनट में एक एकड़ भूमि प्रवर्तन ड्रोन पायलट कोर्स को करने के उपरांत वर्तमान में एप्टीक, की जाती है। वह भविष्य में विश्वविद्यालय की सकारात्मकता है। इसकी सहायता से निशा को कामों का काम दूर है। उन्होंने बताया उन्हें पोषक विभाग की विद्यार्थी ड्रोन पर फटका लगाती है। इस कोटि प्रोफेसर व वीडियो का गमन रहते जब लगाया जाता है। विद्यार्थी निशा द्वारा पायलट पर निश्चय जाती है।

कृषि विभागों से होने वाले स्कॉलरशिप छात्रों से बचता जा सकता है क्योंकि इसके इसलिए इसे रखना चाहिए और कृषि अधिकारीय एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म बहिनी द्वारा इंजीनियरिंग विभाग की एकाडमिक द्वारा संदीप आयं विभिन्न कृषि उपस्थिति में

मिलने लगे हैं जीकरी के आंपर

ड्रोन पर करना चाहती है पीटीचड़ी रिसर्च

इस अवसर पर ऑफरहाई द्वारा अनुसंधान संगठन, मीडिया रहना पड़ेगा अब वह सर्व ड्रोन उद्योग में रहता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नमांचोर	08.07.2022	-----	-----

# प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी निशा सोलंकी



हिसार/ 08 जुलाई/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी प्रदेश की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट बनी हैं। उन्होंने नागर विमानन महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त ड्रोन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने निशा की इस उपलब्धि पर उसे बधाइ देते हुए कहा कि ड्रोन का कृषि में बहुत महत्व है। कृषि अभियांत्रिक एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने बताया कि इस प्रमाणित ड्रोन

पायलट कोर्स को करने के उपरांत निशा को काफी फायदे हुए हैं। उन्होंने बताया उन्हें काफी कंपनियों जैसे आयोटेक, एग्री-उडान से नौकरी के ऑफर मिल रहे हैं। फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि निशा सोलंकी बर्तमान में एमटैक की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में पीएचडी की रिसर्च ड्रोन पर करना चाहती है। इस रिसर्च को करने के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा क्योंकि अब वह स्वयं ड्रोन उड़ाने में सक्षम है। इस अवसर पर ओपसडी डॉ. अतुल ढीगढ़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य आदि उपस्थित थे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिसंबर समाचार	08.07.2022	-----	-----

| हिसार: एचएयू की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रीन पायलट

on 08 Jul 2022, 17:43:36



एम.टी.ए की जाता है निशा शुभ पर पीएचडी करने की वाहन

हिसार, 08 जुलाई (ई.ए.)। हिसार विश्व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सूचि अधियाक्षिक एवं दीर्घालिकी झट्टाविद्यालय के बाजे लालीनी एवं पायर कैंपसियरिंग विभाग की छात्रा निशा सोलंकी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रीन पायलट बनी है। उन्होंने तारग विभाग झट्टाविद्यालय में आन्ध्रप्रदेश ग्राम ड्रीन ऑपरेटर का सफलतापूर्वक प्राप्तिक्रांत प्राप्त किया है।

विश्वविद्यालय के कृषिविभाग द्वारा दीर्घालिक विभाग ने निशा की इस उपलब्धिय पर उसे बधाई द शुभकामनाएं दी। कृषिविभाग की कृषिविद्यालय के बाजे लालीनी एवं बहुत खूबसूरू है। उन्होंने बताया कि फसलों पर लोकक तर्की, बीटानालार्की व अन्य रसायनों के प्राप्त बीजों के विकासव के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है। इसके अलांक, जलाद, उत्तर की बढ़तों की जा सकती है और विभिन्न वायरल कृषि रसायनों ने हीने यारे स्थानवाले वर्षों में बढ़ता जा सकता है। क्योंकि इसके उपयोग में रसायनों और बीटानालार्की का न्यूनता से सीधे जंगलों लहौरी द्वारा उत्तरी काश शुल्क से 5-10 ग्रामट तक एक ग्रामट द्वारा लिंगालय के लिए लहौरी से सीधे जंगलों लहौरी से फसल की सुगमता से लिंगालयी ही जा सकती है। विससे कैट एवं बैट्सरी का लगाव रहने वाला लगाव जा सकता है और उत्तरां उपयोग किया जा सकता है।

कृषि अधियाक्षिक एवं दीर्घालिकी झट्टाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बद्रदेव शोगता से बताया कि इस प्रमाणित ड्रीन पायलट कामों को लगते के उपरांत लिशा को कामी कराए द्वारा है। उन्होंने बताया उन्हें कामी करातिहो जैसे आयोटक, राही-उत्तर से लोकों के ओपर लिंग रहे हैं। उन्हें लालीनी एवं पायर कैंपसियरिंग विभाग की अधिकारी डॉ. विजया राजी ने बताया कि निशा जोखीकी बद्दलता ने एमटेक की जाता है। उन्होंने बताया कि वह भविष्य में दीर्घालिकी की विज्ञाएँ द्वारा पर जारी रखनी हैं। इस विसर्जन को करते के लिए किसी दूसरे पायलट पर निर्भीर नहीं रहता एकमात्र विज्ञानी अवधारणा की अवधारणा है। इस अवधारण पर औरतों को अनुग्रह दींगड़ा, जैकिया एवं वाइरलर डॉ. अंदीप आर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित हैं।

दिसंबर समाचार/राजेन्द्र/संजीव



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.07.2022	-----	-----

नियम, हमीरपुर, 6 जुलाई, 2022 | आधार, सुखा तथा गती, विभिन्न 2079

ई-पेपर ८5 [www.citypulse.news](http://www.citypulse.news)

### एचएयू की छात्रा निशा सोलंकी बनी हरियाणा की पहली प्रमाणित ड्रोन पायलट

रिटर्न पर्सनल, विद्यार्थी पाली चाहा निशा लीकाला द्वारा विश्वविद्यालय के भूर्ज अभियाजनक एवं जैवीशास्त्रीय विज्ञान के बारे में विद्या द्वारा इसी विषय पर विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी। यहां विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी।

विश्वविद्यालय के भूर्ज अभियाजनक एवं जैवीशास्त्रीय विज्ञान के बारे में विद्या द्वारा इसी विषय पर विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी। यहां विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी।

विश्वविद्यालय के भूर्ज अभियाजनक एवं जैवीशास्त्रीय विज्ञान के बारे में विद्या द्वारा इसी विषय पर विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी। यहां विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी।



निशा सोलंकी, विद्यार्थी, विश्वविद्यालय

#### विद्यार्थी लगे हैं नौकरी के ओफर

दोनों नौकरी के दोनों विभिन्न विज्ञान के भूर्ज अभियाजनक एवं जैवीशास्त्रीय विज्ञान के बारे में विद्या द्वारा इसी विषय पर विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी। यहां विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी।

#### ड्रोन पट करणा चाहती है पीएचडी दिल्ली

दोनों नौकरी के दोनों विभिन्न विज्ञान के भूर्ज अभियाजनक एवं जैवीशास्त्रीय विज्ञान के बारे में विद्या द्वारा इसी विषय पर विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी। यहां विद्या द्वारा उत्कृष्ट योगदान की जाएगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पृष्ठ ५४	08.07.2022	-----	-----

# एचएयू के बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन को मिला डिज़ाइन अधिकार : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन नामक डिज़ाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिज़ाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिज़ाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 339710-001 पंजीकरण संखा प्रदान की गई। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस उत्पाद के अविष्कार से मनका उत्पाद बनाने वाली असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कार्य करने में बहुत सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि यह वर्कस्टेशन प्रमुख रूप से फर्श पर बैठकर कार्य करने वाले शिल्प श्रमिकों को पीठ के ऊपरी व निचले हिस्से, गर्दन और अग्र-भुजाओं से संबंधित मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से

बचाता है इसलिए इसका उपयोग अन्य बहुउद्देशीय बैठकर कार्य करने के लिए भी किया जा सकता है।

बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन प्रदान करता है व्यवहार्य सहायता

कुलपति ने कहा भारत में असंगठित महिला श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामगारों के रूप में कार्य करता है और ये महिलाएँ बिना किसी सुरक्षा और कठोर परिस्थितियों के काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन व्यक्तिगत और साथ ही संगठनात्मक स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को व्यवहार्य सहायता प्रदान करता है और कार्य से होने वाले अधिकांश मस्कुलो-स्केलेटल विकारों से शरीर की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों व आम लोगों के लाभ की ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिनमें सही मार्गदर्शन के द्वारा भविष्य में और भी बेहतर बनाने एवं बीड़िक सम्पदा के रूप में स्थापित करने का



प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह बीड प्रोडक्ट वर्कस्टेशन डिज़ाइन करने वाली विश्वविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की शोध छात्रा एकता मलकानी व उनकी गाइड डॉ. मंजु महता को बधाई दी।

श्रमिकों को सामान्य पहुंच में काम करने में होती है सुविधा

डॉ. मंजु महता ने कहा कि मनके के तार और मोतियों के आभूयण बनाने में लगी महिलाएँ फर्श पर बैठकर लंबे समय तक काम करती हैं। यह वर्कस्टेशन पीठ के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाए बिना एक समय में 2-4

महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए आरामदायक जगह प्रदान करता है। वर्कस्टेशन का स्लाइडिंग समायोजन इस उत्पाद की कॉर्पैक्टनेस और गतिशीलता के साथ जगह की भी बदल करता है। इसमें भंडारण के लिए स्थान होने के चलते यह श्रमिकों को उनकी सामान्य पहुंच में काम करने में सक्षम बनाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अनुल ढीगड़ा, सहायक निदेशक आईपीआर सेल, डॉ. विनोद कुमार व मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूतजाला	१०.७.२२	२	४

### हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 11 तक कर सकेंगे आवेदन

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रा. बीआर कांबोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्यूड टेस्ट, जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी(बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्प्युनिटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउन्सिलिंग सोसायटी द्वारा ज्याहंट एट्रेस टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा। उहोंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉम्मन एट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। संगत



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण(कैथल)	9.7.2022	--	--

# हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी

पाठ्यक्रमों में आवेदन  
करने की अंतिम तिथि  
11 जुलाई

कैथल, 8 जुलाई (भर्तीपाल): दो चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.  
श. आर. काम्बोज ने यह जानकारी  
देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों  
में 6 वर्षीय बी.एससी. (अॉनर्स)  
एंट्रीकल्चर में दाखिला 10वीं के बाद

एंट्रीकल्चर एंट्रीट्रूड टैस्ट जबकि एल.ई.इ.टी. 2022 की मेरिट के आधार  
4 वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें  
बी.एससी. (अॉनर्स) एंट्रीकल्चर,  
बी.एफ.एससी. (वैचलर  
ऑफ़ फिशरीज साइंस),  
बी.एससी. (आनर्स) कम्पनिटी साइंस व बी.एससी.  
(आनर्स) एंट्रीविजनैस मेनेजमेंट में दाखिले के लिए  
12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा।

बी.टैक (एंट्रीकल्चर इंजीनियरिंग)  
व बी.टैक (एंट्रीकल्चर इंजीनियरिंग  
एल.ई.इ.टी.) में दाखिला हरियाणा  
राज्य काऊसलिंग सोसायटी द्वारा



विश्वविद्यालय के कुलपति  
प्रो. डॉ. बी.सी. छिल्हो

लिए भी पी.एच.डी. में अतिरिक्त सीटें

उपलब्ध हैं। पी.एच.डी. में दाखिला  
एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा।

उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन  
के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश  
का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है।

ऑनलाइन आवेदन फॉर्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य ब्रेजी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुमूलित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग, पी.डब्ल्यू.डी. (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होती है।

इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट [hau.ac.in](http://hau.ac.in) और [admissions.hau.ac.in](http://admissions.hau.ac.in) पर उपलब्ध प्रोस्पेक्टस में मौजूद होंगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि भूगम	१०.७.२२	१४	७-८

### चौधरी चरण सिंह विवि ने प्रवेश प्रक्रिया आरंभ

■ आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी

दृष्टि भूगम न्यूज | फतेहाबाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद के मख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. जोगेन्द्र लोमर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाद्यक्रमों में

छह वर्षीय बीएससी आनस एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एपटीट्रूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाद्यक्रम जिसमें बीएससी आनस एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी आनस कम्युनिटी साइंस व बीएससी आनस एग्रीविजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग व बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी में दाखिला हरियाणा राज्य काठंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला रेवाड़ी(बावल)	10.7.2022	--	--

शिक्षा

एचएयू हिसार में सत्र 2022 - 2023 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

## पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 11 जुलाई

संबाद न्यूज एजेंसी

रेवाड़ी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार यानी एचएयू में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंतिम तिथि 11 जुलाई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय औप्ससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बीचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्प्युनटी साइंस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिला कक्षा 12वीं के बाद परोक्ष परीक्षा के आधार पर होगा। बी.

### स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में भी होंगे दाखिले

इस विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिला सामान्य प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर, इकोनॉमिक्स, एकोगोवी, इंट्रोवोलोजी, एस्सटेट्स एंड प्लांट ब्रिडिंग, एटीट्यूड पेटोलोजी, सॉड साइंस एंड ट्रैक्सोलोजी, सायरल साइंस, एंटीबैक साइंस, एंटी ट्रैक्सोलोजी एंड कॉर्ट्सी विषय शामिल हैं। भौतिक एवं मानविकी महाविद्यालय में कैमिस्ट्री, कॉमो कैमिस्ट्री, बोटनी (कैवल एमएससी), मैक्रोबैक्टर बीयोलोजी एंड बॉयोट्रैक्सोलोजी, बॉयोवैज्ञानिक्स, एग्रीकल्चरल ब्यॉकेलोजी, एटोम फिजियोलोजी, इनवायनमेंट साइंस, महाकाव्यवैज्ञानीजी, जुलोजी, सोसायोलोजी, स्टेटिस्टिस, फिजिक्स, मेथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फौहस एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, ट्रैक्सोलॉजी, एप्लिकेशन एंड एप्रेलेट डिजाइनिंग, ल्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एस्सटेट्स एंड कम्प्युटिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। इस संबंध में कृषि महाविद्यालय विषय के प्रबन्धकों ने बताया कि कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मैनेजमेंट एवं पायर इंजीनियरिंग (एमटीक व पीएचडी), प्रासेसिंग एंड पूर्ड इंजीनियरिंग, रिन्यूवेल एंड ओपो एनजी, फूड साइंस एंड ट्रैक्सोलोजी (एमटीक व पीएचडी) शामिल हैं। कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अलिंगित सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडस्ट्री सोसायर उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अलिंगित सीटों उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला प्लॉस टेस्ट के आधार पर होगा। उपर्योगत पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। अमीनतालान आवेदन कार्य एवं प्रोलेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य ब्रोडी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुमूलित जाति, अधिक लंबे से कमज़ोर वर्ष, पीडब्ल्यूडी(दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होती है। इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण विषयों, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारीय विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोस्ट्रेटेट्स में मौजूद होती है।

टेक(एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बीटेक दाखिला हरियाणा राज्य कार्डसलिंग टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में सोसायटी ड्वारा ज्याइंट एंट्रेस की मैट्रिट के आधार पर होगा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर (महेन्द्रगढ़)	10.7.2022	--	--

दैनिक  
भास्कर महेन्द्रगढ़ भास्कर 10-07-2022

## एचएयू में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, आवेदन 11 तक

महेन्द्रगढ़ | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 6 वर्षीय बीएससी (ऑनसर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एचटीयूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम है। जिसमें बीएससी (ऑनसर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ़ फिशरीज माइस), बीएससी (ऑनसर्स) कम्प्युनिटी साइंस व बीएससी (ऑनसर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एट्रीस टेस्ट के आधार पर होगा।

बोटक(एग्रीकल्चर इंजी.) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजी. एलईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइट एट्रीस टेस्ट (पैन) 2022 और एलईटी 2022 की मोर्चे के आधार पर होगा।

### इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

उहोंने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कर्मन एट्रीस टेस्ट के आधार पर होगा। कृपि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकानोमिक्स, एग्रोनोमी, इंटर्मोलोजी, एक्सटेंशन एजेंसी, हार्टिकल्चर,

नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट गोडिंग, प्लांट पेयोलॉजी, सौड साइंस एवं टैक्नोलोजी, सायल साइंस, वैजीटेक्न साइंस, एजी. नेटवर्कोरेलोजी, फोरस्टी विषय शामिल हैं। भौतिक एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बॉयो केमिस्ट्री, बॉटनी (कैबल एमएससी), मोलिकुल बॉयोलोजी एंड बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोइंजीनियरिंग, एग्रीकल्चरल बॉयोटेक्नोलोजी, प्लांट फिजियोलॉजी, एनवायरेंट साइंस, माइक्रोबॉयोलोजी, जूलोजी, सोसायोलोजी, स्टेटिक्स, फ़िजिज़स, मेथेमेटिक्स विषय होंगे। गृह विज्ञान महाविद्यालय में फूलस एवं न्यूट्रीशन, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टैक्सोनोजी एंड एंप्रेजन डिजाइनिंग, ह्यूमन डेवलोपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्प्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृपि अधियाक्रिकी एं ग्रैडोंग की महाविद्यालय में फार्म मरीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग (एमटैक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्युअबल एंड बॉयो एनजी, फूड साइंस एंड टैक्नोलॉजी (एमटैक व पीएचडी) शामिल हैं। कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। एनआरआई व इंडस्ट्री स्पोर्स संघीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। पीएचडी में दाखिला एट्रीस टेस्ट के आधार पर होगा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज, दैनिक सवेरा (पंचकुला)	9.7.2022	--	--

महानिदेशक, सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा

9-7-22

प्रैस कतरने

दिनांक 9-7-22

दैनिक सवेरा

## भाव लेखा चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

■ पाठ्यक्रमों में आवेदन  
करने की अंतिम तिथि  
11 जुलाई

आज समाज नेटवर्क

पंचकुला। चौधरी चरण सिंह हरियाणा  
कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न  
स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में  
दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू  
हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11  
जुलाई 2022 तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.  
बी.आर.कम्बोज ने यह जानकारी  
देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों  
में छह वर्षीय बीएससी (आनंद)

एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद  
एग्रीकल्चर एप्टीट्रूड टेस्ट जबकि  
चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी  
(आनंद) एग्रीकल्चर,  
बीएफएससी(बैचलर ऑफ फिशरीज  
साइंस), बीएससी (आनंद)  
कम्प्युटरी साइंस व बीएससी  
(आनंद) एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में  
दाखिले के लिए 12वीं के बाद एट्रेस  
टेस्ट के आधार पर होगा। विश्वविद्यालय  
के कुलपति प्रो. बी.आर.कम्बोज ने  
बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह  
वर्षीय बीएससी (आनंद) एग्रीकल्चर में  
दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर

## चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

● पाठ्यक्रमों में आवेदन करने  
की अंतिम तिथि 11 जुलाई

पंचकुला, 8 जुलाई (संतोष):  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक  
व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के  
लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।  
आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय  
के कुलपति प्रो. बी.आर.कम्बोज ने  
बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह  
वर्षीय बीएससी (आनंद) एग्रीकल्चर में  
दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर

पाठ्यक्रम में जिसमें बीएससी (आनंद)  
एग्रीकल्चर, बीएफएससी(बैचलर ऑफ

फिशरीज साइंस), बीएससी (आनंद)  
कम्प्युटरी साइंस व बीएससी (आनंद)

एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के  
लिए 12वीं के बाद एट्रेस टेस्ट के  
आधार पर होगा। बीटेक(एग्रीकल्चर

इंजीनियरिंग) व बीटेक (एग्रीकल्चर  
इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला  
हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा

ज्याहंट एट्रेस टेस्ट(मैन)2022 और  
एलईईटी 2022 को मेरिट के आधार  
पर होगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर (बावल)	9.7.2022	--	--

# कृषि विवि हिसार व संबंद्ध कॉलेजों में यूजी और पीजी में दाखिले के लिए आवेदन जारी

11 जुलाई तक कर सकते हैं अप्लाई, पीएचडी में भी दाखिला एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा।

भास्कर न्यूज | रेपार्टी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व इससे संबंद्ध कॉलेजों में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर वायोक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। एंट्रेस टेस्ट (मैन) 2022 और अवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 की मेरिट के तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काबोज ने बताया कि स्नातक वायोक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनसं) एपीकल्चर में

दाखिला 10वीं के बाद एपीकल्चर एंट्रेस्यूट टेस्ट जबकि चार वर्षीय के लिये महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनसं) एपीकल्चर, बीएफएससी(वैदिक), आपि के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एपीकल्चर इकोनॉमिक्स, एमोटोलॉजी, बीएससी (आनसं) एपीकिजिनेस, इंट्रोमोटोलॉजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं

के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बीएचडी(एपीकल्चर इंजीनियरिंग) व बीएचडी(एपीकल्चर इंजीनियरिंग एप्लाई) में दाखिला हरियाणा राज्य व स्नातकोत्तर वायोक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। एंट्रेस टेस्ट(मैन) 2022 और उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उच्चीदर्शक हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवारी होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आधिकारिक रूप से कमज़ोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी(दिल्ली) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होगी। इसके अतावा उपराज्य सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियाँ, न्यूसम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियाँ विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in और admissions.hau.ac.in पर उल्लिख्य प्रोसेस्टर्स में भौजूट होंगी।

बावल में बीएससी 4 और 6 वर्षीय एपीकल्चर कोर्स शुरू किले के बावल कृषि कॉलेज में भी 10वीं के बाद 6 वर्षीय बीएससी अन्सर्स एपीकल्चर और 12वीं के बाद 4 वर्षीय बीएससी एपीकल्चर के अलावा एपीसंसी व पीएचडी के लिए विवारी आवेदन कर सकते हैं। इनमें भी 11 जुलाई अंतिम तिथि है। बावल में 10वीं के बाद चल रहे 6 वर्षीय बीएससी एपीकल्चर अन्सर्स के पाठ्यक्रम में 55 सीटें हैं और 12वीं 4 वर्षीय बीएससी एपीकल्चर में भी 55 सीटें हैं। 6 वर्षीय में पीएचडी और 6 ही में एपीसंसी कर सकते हैं।

जेनिटिक्स एंड प्लांट बीडिंग, प्लांट कैमिस्ट्री, बोटनी (कैलन मेथेमेट्रिक्स विषय होगी। गृह विज्ञान एंड मैटेरियल्स विषय होगी। गृह विज्ञान मेथेमेट्रिक्स विषय होगी। गृह विज्ञान में फूलस एंड मैटेरियल्स विषय होगी। साथल साइंस, बायोलॉजी एंड वॉटरक्रोलोजी, नूट्रीशन, फैसिली वैटोटिकल साइंस, एपी. बॉयोटेक्नोलॉजी, एपीकल्चरल मैनेजमेंट, टैक्साइल एंड एप्रेजल मेटीयोरोलॉजी, फोरस्ट्री विषय वॉटरटेक्नोलॉजी, प्लांट डिजाइनिंग, लूपन डेवलपमेंट एंड फिजियोलॉजी, इन्वायनमेंट साइंस, फैसिली स्ट्रॉज, एप्लोटेशन शामिल हैं।

मौलिक एवं मानविकी माइक्रोबायोलॉजी, जुलाजी, एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं। कृषि महाविद्यालय में कैपिट्री, वायो सोसायोलॉजी, स्ट्रॉटिक्स, पिंजिक्स, मैनेजमेंट शामिल हैं।

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फर्म मैनेजी एवं पारवर्ती इंजीनियरिंग, सायंत्रल एंड वाटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूल इंजीनियरिंग, रिन्युअबल एंड वायो एनर्जी, फूल साइंस एंड टैक्नोलॉजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर(यमुनानगर)	9.7.2022	--	--

चौधरी चरण सिंह विधि में  
दाखिले की प्रक्रिया थुर्ल,  
11 तक कर सकेंगे आवेदन  
यमुनानगर। चौधरी चरण सिंह  
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार  
में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर  
कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन  
प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 11 जुलाई  
तक जारी रहेगी। विवि के कुलपति  
प्रे. बौआर कांबोज ने बताया कि  
स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय  
बीएससी औनस एग्रीकल्चर में  
दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर  
एटीट्यूड टेस्ट, जबकि चार  
वर्षीय पाठ्यक्रम, जिसमें बीएससी  
औनस एग्रीकल्चर बीएफएससी  
बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस,  
बीएससी आनस कम्युनिटी साइंस  
व बीएससी औनस एग्रीबिजनेस  
मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं  
पास होगा जरूरी है।

इसके लिए एंट्रेस टेस्ट होगा।  
बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग व  
बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग  
एलईईटी में दाखिला हरियाणा  
राज्य कारउसलिंग सोसाइटी द्वारा  
जॉइट एंट्रेस टेस्ट मैन 2022  
और एलईईटी 2022 की मेरिट के  
आधार पर होगा। इन स्नातकोत्तर  
व पीएचडी प्रोग्राम में दाखिले होंगे।  
विवि के विभिन्न माध्यविद्यालयों में  
स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों  
में भी दाखिला क्रोमन एंट्रेस टेस्ट के  
आधार पर होगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (फरीदाबाद)	9.7.2022	--	--

# विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ: प्रो. बीआर काम्बोज

फरीदाबाद। पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई संबंधित साइट पर ले सकते हैं अधिक जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 22 तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी



### इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होंगे दाखिले

विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉर्मन एट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एथोनोग्रामी, इटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉर्टिकल्चर, नेमोटोलोजी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रिडिंग, प्लांट पेथोलोजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलोजी, सायल साइंस, वैजीटेक्न साइंस, एग्री. मेटीयोरोलोजी, फोरेस्ट्री विध्य शामिल हैं। कुलपति के अनुसार हरियाणा प्रदेश से बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनआरआई व इंडर्स्ट्री स्पॉर्सर्स उम्मीदवारों के लिए भी पीएचडी में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं।

पीएचडी में दाखिला एट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। औनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोसेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपए जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी(दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रुपए होगी।

बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसिलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एट्रेस टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 की मेरिट के आधार पर होगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला (रोहतक)	9.7.2022	--	--

### चौधरी चरण सिंह विवि में प्रवेश के लिए आवेदन 11 तक

रोहतक। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन 11 जुलाई तक जारी रहेंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया स्नातक पाठ्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एफटीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचतर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (ऑनर्स) कम्यूनिटी साइंस व बीएससी (ऑनर्स) एग्रीविजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेस टेस्ट के आधार पर दाखिला होगा। बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सीसाइटी के ज्याइंट एंट्रेस टेस्ट (मेन) 2022 और एलईईटी 2022 की मैरेट के आधार पर होगा। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रॉमोबट्स विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन फीस 1500 रुपये, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 375 रुपये फीस है। इसके अलावा सीटों की संख्या, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि जानकारी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अंग्रे



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला(करनाल)	9.7.2022	--	--

### कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, 11 जुलाई तक करें आवेदन

कॉर्मन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला, सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध

#### संबाद न्यूज एजेंसी

करनाल। जौधरी चरण किंवद्वयाणा द्वारा विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न सानक और सानकोशन कार्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। सानकोशन या पाठ्यक्रमों पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कामन घुट्टू टेस्ट के आधार पर होगा।

विश्वविद्यालय के नुस्खा में, लोकोक्त काव्याने बहुआने के सानक पाठ्यक्रमों में जह वापिय बोएसो (अंगरे) उत्तीर्णत्वर उत्तीर्ण रेस्ट जर्किं भर लर्डी पाठ्यक्रम सिन्मे बोएसो (अंगरे) लुटीकल्क्ष, बोएसोइरो (वैनकर ड्रेक

सिस्टीज साईर), बोएसोइ (अंगरे) कुर्बनटी साईर व बोएसोइ (अंगरे) प्रत्तिवक्त्व कैम्पनेट में दाखिले के लिए 12वीं के घाट एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। बोइक्स (एक्सिकल्क्ष इन्वेंसिपर्स) और गोट्क (योक्कल्स इन्वेन्वरिंग एक्स्प्रेस) में दाखिला दरियाणा एवं कड़रालग सोमापटी द्वारा ज्ञान एंट्रेस टेस्ट (मेन) 2022 और एलटीटी 2022 की घोषणा के आधार पर होगा।

विश्वविद्यालय के अवधान सितार व्हीरिंगन में देश के सानक व्हाई भाइ जश्वर ने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न सानकोशनों में सानकोशन और योपयाद्यक्रमों में भी दाखिला कौन्स एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। कृषि प्राकृतिक्यालय में योपयाद्यक्रम इसोमिनियम,

बाहरी राज्यों के उम्मीदवार भी कर सकते हैं आवेदन फ्रेशरों से बहुत राज्यों के लिए अभियान आयोजित करते हैं। यहाँ अभियान नहीं है। इसके असवार एन्डरावन्डै और इंडिया मानोंट उम्मीदवारों के लिए भी बोएसोइ में अभियान लीटै झालाई है। बोएसोइ में दाखिला घुट्टू टेस्ट के आधार पर हो गया। उत्तीर्णत्व प्रक्रियाओं में आवेदन के लिए उत्तीर्णत्व उपलब्ध है। अभियान प्रॉफेशनल एवं व्हाइटर संकाय प्रॉफेशनल का यामों नियामी दोनों अनियामी है। अभियान आवेदन पार्ट एवं प्रारंभेल्स विश्वविद्यालय की बोएसोइ पर उत्तीर्णत्व है। सानक योगी के उम्मीदवारों के लिए आवेदन की पार्ट 1500 रुपये जरूरी अनुशृंखला योगी, फिल्ड ट्रॉफी योगी, अर्थविक रूप से कामयाद योगी, ऐडब्ल्यूटी (एड्युकेशन) ताम्मीदवारों के लिए 375 रुपये होगी। जालम्ब योगी की प्रॉफेशन, महालम्ब प्रॉफेशन, न्यूलेट एवं प्रॉफेशन योगी और दाखिला प्रॉफेशन अर्थ सभी योगीयों के लिए उपलब्ध है।

एंटोनोटी, इंटीमोलोजी, एक्सार्टेन एंटोनोटी व फोरेंटी योग योगिल हैं। भौतिक योग सानकोशनों में योगीयों योगीलोजी, नेमोटोलोजी, योगीटिकल्क्ष, नेमोटिव्स एंट लेटिव्स एंट लॉट लीटिंग, एक्ट, नेमोटोलोजी, योगी योगीलोजी, योटनी (कैम्प) योगीलोजी, भौत साईर एवं टेक्नोलोजी, एम्बायसी, योगील्यूकर योगीलोजी एवं सांकेल साईर, योगीलेल स्टॉम, एवं योगीलेलोजी, बॉयोइन्डर्नोलोजी, योगीलेलोमेंटर्स,

दार्टिकल्क्षल योगेट्वॉल्डीजी, लाट फिलिप्पोलोगोलोजी, इल्लामोट्ट योगी, महाक्षोभेगोलोजी, लुगोनी, योगोलेलोजी, दर्टिव्स, फिलिप्स व मैथेप्रॉफिट्स विषय होते हैं।

यह विद्यालय नामांतरणल में फूडस एवं बहुतील, ऐसीले विश्वविद्यालय में जैविक, टेक्नोलोजी एवं योगेल दिवारिनिंग, लग्नान उत्तीर्णत्व एवं फैमिली स्टॉडीज, प्रॉफेशनल एज्युकेशन एंट काम्प्युटिकेशन में जैविक उपलब्ध है। कृषि अभियानिकों एवं योगीयोंगों का योगीकालय में कामे योगीलो एवं योग योगीनियरिंग, सायरल एंट वारर इंजीनियरिंग (एप्लिकेशन व एड्युकेशन), योगीर्ला एंट फूड इंजीनियरिंग, विल्यूब्स एंट जैव योगी योगी एवं योगीलोजी (एप्लिकेशन व एड्युकेशन) योगिल हैं।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एकशन इंडिया (पानीपत)	10.7.2022	--	--

### कृषि विवि में स्नातक व स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

बापैली/टीम एक्शन इंडिया

बापैली चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई 2022 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्होज ने यह जानकारी देते हुए कहा कि स्नातक कार्यक्रमों में छह वर्षीय बीएससी (आनस) एवं एकलचर में दाखिला दसवीं के बाद एकलचर एप्टीट्रूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनस) एवं एकलचर, बीएससी(बैचलर ऑफ विश्वविद्यालय साइंस), बीएससी (आनस) कम्युनिटी साइंस व बीएससी (आनस) एवं विजनेस मैनेजमेंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एप्टेस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक(एकलचर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा रज्य काउन्सिलिंग सेसायटी द्वारा ज्ञाइ एप्टेस टेस्ट (मैन) 2022 और एलईईटी 2022 की मरिट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होमे दाखिले: उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी



दाखिला कॉम्प्लेट एप्टेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि कृषि महाविद्यालय में एकलचर इकोनॉमिक्स, एकोनोमी, इटोमोलोजी, एक्सटेंशन एजुकेशन, हॉटिंगल, नेटवर्किंग, जेनोटेक्स एंड प्लाट ब्रीडिंग, लॉट पैथोलोजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलोजी, सायत साइंस, डेजीटेल साइंस, एसी, मेट्रोवोलोजी, फोरेस्टी विवर शामिल हैं। मैलिक एवं मानविकी

महाविद्यालय में कैमिस्ट्री, बैंकिंग कैमिस्ट्री, बोटनी (कैबल एप्लाससी), मॉलिव्युलर बैंकोलोजी एंड बैंकोट्रॉफोलोजी, बैंकोइन्फोर्मेटिक्स, एकलचरल वायोटेक्नोलोजी, लॉट फिजियोलोजी, इन्वेयनमेंट साइंस, माइक्रोबैंकोलोजी, जूलोजी, सोसियोलोजी, स्टेटिक्स, फिजिव्स, मैट्रिक्स विवर होंगे। यूड विज्ञान महाविद्यालय में फूड्स एवं न्यूट्रिशन, ऊर्भिली रिसोर्स मैनेजमेंट, टेक्नोटाइल एंड लोजल डिजाइनिंग, हूमन डेवलेपमेंट एंड ऐमिली स्टडीज, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट शामिल हैं।

पादर इंजीनियरिंग, संयोजन एंड वटर इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग, रिन्यूअरेल एंड बैंको एनजी, फूड साइंस एंड टेक्नोलोजी (एमटेक व पीएचडी) शामिल हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अमर उजाला रोहतक

दिनांक

10.7.2022

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

## Youth & Women

युवा • महिला • संस्कृति • समाज



my  
city

मिवानी •

3

## कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला काँमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा

संबद्ध न्यूज एजेंसी

मिवानी। बौद्धी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 11 जुलाई तक आगे रोड़ी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीराज कांवोड़ा ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में लह वार्षिक यौवनसी (आनंद) एवं एकलवर में दाखिला दस्तावेजों के अद्य एकलवर एफटीटीबडं टेस्ट, जबकि चार वार्षीय पाठ्यक्रम जिसमें यौवनसी (आनंद) पाठ्यक्रम, एकलवर, यौवनसी (एकलवर और फिल्मोज) साइंस, यौवनसी (आनंद) कानूनीती साइंस व यौवनसी (आनंद)

एकलवरजनेस यैनिंग्मेंट में दाखिला के लिए 12वीं के छात्र एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होता है। तो या कुलपति प्रोफेसर यौवनसी (एकलवर इंजीनियरिंग) व यौवन (एकलवर इंजीनियरिंग) में दाखिला हरियाणा राज्य कार्डिनेशन सोसायटी द्वारा ज्वाहर एंट्रेस



चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय। संबद्ध

### ऑनलाइन फार्म वेबसाइट पर उपलब्ध

ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रैमिक्स एक्सीटेंस विश्वविद्यालय को वेबसाइट पर उपलब्ध है। सामान्य प्रेणों के उप्पीवार के लिए आवेदन की पोर्ट 1500 रुपये, जबकि अनुपूर्ण आवेदन, दिल्लीजी, आवार्हिक स्तर से कमबोर वर्ग, पीडब्ल्यूडॉ (दिल्ली) उम्मेदवारों के लिए 375 रुपये होती है। इसके अलावा उम्मेदवारों की सेवा, महान्तरण विविध, न्यूतम शिक्षणीय योग्यता, दाखिला प्रक्रिया अंदर संबंधी सभी जानकारी परिवर्त्यालय की वेबसाइट hau.ac.in पर उपलब्ध प्राइसिंग कर्ट पर मौजूद होती है।



टेस्ट(मैन)2022 और एलईईटी 2022 बताया कि कृषि महाविद्यालय में की भीर्ट के आधार पर होगा।

इन स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्राम में होने वाले दाखिले : विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर व पीएचडी पाठ्यक्रमों में भी दाखिला काँमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने

एकलवर, इकोनॉमिक्स, एज्ञानोजी, इंटीमलोजी, एवमटेंशन एंजुकेशन, एम्प्रेकल्चर, नेमोटोलोजी, जैनटेक्स एंड प्रोजेक्ट इंजिनियरिंग, प्लांट पैयोलोजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलॉजी, सावत साइंस, स्ट्रेटिजिस्ट, विजिक्स, मेथेमेटिक्स विप्रय वेजीटेलिंग साईंस, एप्लीकेशन्स, एप्लीकेशन्स विप्रय एवं एप्लीकेशन्स में घूढ़स इंजीनियरिंग शामिल हैं।

### अब 14 तक कर सकेंगे आवेदन

मिवानी। संकेटडॉरी व संविनियर संकेटडॉरी (शीरिक) की पृष्ठ परीक्षा जुलाई-2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि को 14 जुलाई तक बढ़ा दिया है। मगर, इसके लिए एक हवाला विवरण शुरू करना है। यहसे एक हजार रुपये विवरण भूकंप संस्कृति सारा जुलाई तक अविलोक्य का दीना रहा, जिससे अब तक 14 तक वडाया गया है। हरियाणा विद्यालय दिल्ली जोड़ के अभ्यास प्रोफेसर डॉ. जयशर्मा निवार विवरण श्रीकृष्ण जुलाई, ह.प्र.से. ने आगामी कि संकेटडॉरी एवं सॉमिनियर संकेटडॉरी (शीरिक) परीक्षा जुलाई-2022 के लिए परीक्षार्थी 1000/- के लिए विवरण शुरू के साथ अंतिम तिथि 7 जुलाई, 2022 विवरणित की गई थी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थी को विवरण को देखते हुए संकेटडॉरी एवं सॉमिनियर संकेटडॉरी (शीरिक) परीक्षा जुलाई-2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने को विवरण बदल गई है। परीक्षार्थी अपना आवेदन फार्म बोर्ड को लेनेवाला www.bseh.org.in पर दिए गए लिंक पर भरना सुनिश्चित करें। नंदद

### बाहरी संघर्षों के विद्यार्थी भी ले सकते पीएचडी में दाखिला

कृष्णपति के अनुसार हरियाणा एलईईटी संघर्षों के उम्मीदवार भी पैरोलरी में ऑनलाइन संघर्षों पर विवरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अवलोकन एनआरआई व इंडस्ट्री मॉर्टेस डम्पींडवारों के लिए भी पीएचडी में ऑनलाइन संघर्षों तथा विवरण है। पैरोलरी में दाखिला पैरेंस टेस्ट के आधार पर होगा। परीक्षार्थी विवरणों में आवेदन के लिए डम्पींडवार लौराया प्रदर्श का स्थानीय निवासों तोना आवश्यक है।

परेंसटी विवरण शामिल है।

परेंसटी एवं मानविकी के महाविद्यालय में डेक्सटाइल एंड एंजेक्यल डिजाइनिंग, इयूनियन डेवलपमेंट एंड फिल्मी स्टूडीज, एप्लिकेशन्स, मौलिक्यवाद विवरण एवं एप्लीकेशन्स, एम्प्रेकल्चर, नेमोटोलोजी, जैनटेक्स एंड प्रोजेक्ट इंजिनियरिंग, प्लांट पैयोलोजी, लाइफस्टाइल, विजिक्स, मेथेमेटिक्स विप्रय एवं एप्लीकेशन्स में नेवेलर शामिल हैं। कृषि अभियानिक्स के लिए ग्राहोंगकी महाविद्यालय में कार्यक्रमों के लिए एक विवरण विवरण श्रीकृष्ण जुलाई, सोमवारी विवरण सॉमिनियर एवं एकलवर इंजीनियरिंग, साइंस एंड विजिक्स, विभिन्न कार्यक्रमों में घूढ़स इंजीनियरिंग (एमटेक व पीएचडी), ग्राहोंगकी महाविद्यालय में घूढ़स इंजीनियरिंग शामिल हैं।

